ओम शान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-9 अगस्त-I, 2016 पाक्षिक माउण्ट आबू 8.00

'नारी' समाज और परिवार के बीच की कड़ी

माउण्ट आबू में `स्वस्थ और सुखी समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका' विषय पर अखिल भारतीय सम्मेलन

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ एवं आर.ई.आर.एफ. के महिला प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में `स्वस्थ और सुखी समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका' विषय पर एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी ने कहा कि हम सभी चैतन्य शक्ति आत्माएं हैं, आध्यात्मिकता से जुड़ने की यह पहली शर्त है। हमें यह जानने का प्रयत्न करना चाहिए कि कब संसार में स्वस्थ और सुखी समाज था, भारत सोने की चिड़िया थी, तब का इंसान कैसा रहा होगा। उन्होंने कहा कि आज के संसार को हम स्वस्थ और सुखमय तभी बना सकेंगे जब मूल्यों से अपनी आत्मा को निखारेंगे। आत्मिक भान से परमात्मा से युक्त होकर उनसे दिव्यता प्राप्त करके सम्पूर्णता धारण कर जीवन को सफल बना सकेंगे।

स्वागत नृत्य प्रस्तुत करते हुए कुमारी। दीप प्रज्वलित करते हुए संजीता सिंह नेगी, ब्र.कु. डॉ. सविता, ब्र.कु. चक्रधारी, ब्र.कु. शारदा, महुआ मोजी, लता वानखेड़े व ब्र.कु. शीलू।

झारखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा डॉ. महुआ मोजी ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं संस्था की आभारी हूँ कि मुझे आध्यात्मिक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। यहाँ मैंने परम शांति का अनुभव किया है। ग्रामीण महिलाओं में शिक्षा की कमी के कारण ही उनकी दयनीय अवस्था हो गई है, उनपर अत्याचार होते हैं। उन्हें अपने जीवन को उत्तम बनाने के लिए शिक्षित होने के साथ आध्यात्मिक मूल्यों को भी अपनाना होगा। हर वर्ग की महिलाओं को सुसंस्कृत बनाकर स्वस्थ और सुखी समाज बनाया जा सकेगा।

अखिल भारतीय महिला लीग अहमदाबाद चैप्टर की अध्यक्षा संजीता सिंह नेगी ने कहा कि आज की महिलाएं दुविधा में ग्रस्त हैं, समझ नहीं पातीं कि वे देवियाँ हैं या साधारण महिलाएं। हमें अपनी वास्तविक पहचान पाने के लिए अपने अंदर छिपी शक्तियों को महसूस करना होगा। इस दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ का कार्य सराहनीय है जो हमारे अंदर श्रेष्ठता की भावनाएं भर देती हैं। हमें पता चलता है कि अपनी दिनचर्या को सुधार कर अपने को स्वस्थ बना कर हम समाज को सुधार सकेंगी।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शीलू ने कहा कि आप सभी ये जान रहे हैं कि हमारा सारा समाज आज तनाव में है, हर उम्र व हर वर्ग के लोग ही इस परिस्थिति से जूँझ रहे हैं, लेकिन क्या हमने जाना कि समाज की ऐसी स्थिति बनाने में मेरी हिस्सेदारी भी तो होगी ही, अतः मुझे भी अपने आप में सुधार लाना ही होगा। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि भारत में नारियों का सम्मान दुर्गा, सरस्वती आदि देवियों के रूप में होता है, किन्तु यदि हर घर की महिलाएं भी फिर से अपने जीवन में देवत्व का भाव लाएं तो पूज्य बन सकती हैं। नारियाँ मूल्यों को सहज ही अपनाकर समाज और परिवार को जोड़ने की सेतु बनकर समाज को सुखी और स्वस्थ बनाने में भूमिका अदा कर सकती है।

नारी शक्ति अपने दायित्व को समझे

मध्य प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती लता वानखेड़े ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों ने महिलाओं को दुःखों में झोंका है, उनको आगे लाने के लिए हम सभी महिलाओं को तन, मन से आगे आकर उनकी मदद करनी होगी। राष्ट्र हित के लिए हम नारियों को दुर्गा, काली बन कर दुनिया को दिशा देनी है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा वर्तमान को परिवर्तित कर नई दुनिया के लिए शिक्षा देकर यह महान प्रयास किया जा रहा है। यह एक विराट संस्थान है, मैं इनके अभियान के प्रति कृतज्ञ हूँ। नारी अपने दायित्व को समझे और इस महान कार्य में जुट जाये तो इसी धरा पर स्वर्ग होगा।

महिलाओं में श्रेष्ठ समाज बनाने की ताकत

शांतिवन। भारत माता और वन्दे मातरम के शब्दों को साकार करते हुए यदि महिला ठान ले तो वह एक नया समाज बना सकती है। उसमें समाज को बदलने की पूरी शक्ति है। समाज की प्रत्येक माँ अपने बच्चे को गर्भ से ही अच्छे संस्कार देकर अभिमन्यु जैसा बना सकती है। उक्त उद्‌गार **राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी** ने ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में देशभर से ध्यान योग साधना शिविर में आयीं महिलाओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि स्त्री जहाँ भी रहे वह संस्कार देने की भावना से कार्य प्रारम्भ कर दे। इससे पुरुषों में भी एक जागृति आयेगी। हर माँ में ऐसी शक्ति है। ब्रह्माकुमारी संस्थान दुनिया भर में एक ऐसा संस्थान है जिसकी बागडोर माताओं बहनों के हाथ में है। उन्होंने सभा में उपस्थित संस्था से जुड़ी हज़ारों माताओं बहनों से आह्वान करते हुए कहा कि सब मिलकर एक क्रान्ति का आगाज़ करें जिससे एक नया समाज बनाया जा सके।

दादी से मुलाकात

मानवीय मूल्य मनुष्य की असली सम्पत्ति- दादी

राजस्थान पत्रिका के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी ने संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी से मुलाकात की। करीब आधे घण्टे चली मुलाकात में कई सामाजिक कार्यों पर चर्चा हुई। दादी ने कहा कि मनुष्य के अंदर मूल्य ही उसकी असली पहचान है। परमात्मा ने हम सभी को इस सृष्टि पर अच्छा और श्रेष्ठ कार्य करने के लिए ही भेजा है। परंतु मनुष्य बुरे कर्मों के कारण आसुरी स्वभाव से ग्रसित हो गया है, इसलिए परमात्मा आकर नयी दुनिया बना रहे हैं। कोठारी ने दादी से आग्रह किया कि पूरे विश्व में यह एक अभियान चलाया जाये कि हर नारी शक्ति स्वरूप बनकर आनेवाली जेनरेशन को बेहतर संस्कार दे। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाने का भी आग्रह किया। इसपर दादी ने भी इस कार्य को मिलकर आगे बढ़ाने की इच्छा जताई व संस्थान द्वारा चलाये जा रहे इस तरह के कार्यक्रमों की जानकारी दी।